समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

पिता की नृशंस हत्या, घर पर टूटा दुखों का पहाड़, बेटी 12वीं पास होने के बावजूद संतोष देशमुख की बेटी को मिले 'इतने' प्रतिशत !

Publisher

Published on 05 May 2025

आज 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित हो गए है। इसमे वैभवी संतोष देशमुख के परिणामों पर भी चर्चा की गई है।

बीड के मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई। जिस तरह से यह हत्या की गई, उसे देखकर पूरा महाराष्ट्र स्तब्ध रह गया। इस मामले में वाल्मीक कराड और उसके गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है। जिस समय मेरे पिता की हत्या हुई, उसी समय 12वीं की परीक्षाएं भी हुईं। संतोष देशमुख की बेटी वैभवी का परीक्षण उस समय किया गया जब घर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। आज 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित हो गए हैं। इसमें वैभवी संतोष देशमुख के परिणामों पर भी चर्चा की गई है। उसकी सराहना की जाती है।

मासाजोग के दिवंगत सरपंच संतोष देशमुख की बेटी ने 12वीं की परीक्षा पास कर ली है। वह न केवल उत्तीर्ण हुई, बल्कि उसे 85.33 प्रतिशत अंक भी मिले। इसलिए उन्हें पूरे राज्य से प्रशंसा मिल रही है। वैभवी अपने पिता को याद करते हुए भावुक हो गईं। वैभवी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे दुख है कि मेरे पिता आज मेरी पीठ थपथपाने के लिए यहां नहीं हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता के आशीर्वाद के कारण ही उनके परिणाम अच्छे रहे।

'पिता के हत्यारों को मृत्युदंड दो'

संतोष देशमुख की बेटी वैभवी देशमुख अपने पिता के लिए न्याय की लड़ाई लड़ती नजर आईं। उसने बड़े धैर्य के साथ स्थिति का सामना किया। उन्होंने अपने पिता को न्याय दिलाने के लिए आयोजित हर मार्च में भाग लिया। पिता की मृत्यु ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वह परिवार की देखभाल करती थी। उन्होंने अपने पिता के हत्यारों को मृत्युदंड देने की मांग

को लेकर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से भी मुलाकात की थी।

'मैं डॉक्टर बनना चाहता थी लेकिन...'

सरपंच संतोष देशमुख की बेटी ने 12वीं कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। वैभवी देशमुख ने 12वीं की परीक्षा में 85.33 प्रतिशत अंक हासिल किए। पिता का दुःख परीक्षा परिणाम की खुशी से अधिक है। वैभवी देशमुख ने प्रतिक्रिया दी है कि न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि आज उनकी पीठ थपथपाने वाला कोई पिता नहीं था। परीक्षा देने की कोई मानसिकता नहीं थी। मेरे पिता का सपना था कि मैं अपने पैरों पर खड़ी होऊं। इस घटना के बाद मेरी जिंदगी बदल गई। दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। विचार बदल गये. मैं पहले अपने करियर के बारे में सोचता थी। उन्होंने यह भी कहा, "मैं डॉक्टर बनना चाहती थी।" उन्होंने मांग की है कि संतोष देशमुख हत्या मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.